

संक्षिप्त समाचार

दिन भर अगलगी की

सूचना पर दौड़ता रहा फायर टैंकर

मेजारोड़(प्रयागराज)। बुधवार को सुबह से लेकर शाम पांच बजे तक अग्निशमन दस्ता फायर टैंकर लेकर आग बुझाने के लिए दौड़ता रहा। एक जगह की आग तुझी नहीं कि दूसरी जगह से सूचना आ गई। अग्निशमन विभाग के प्रभारी शियाशरण व राजन्द्र शुक्ल ने बताया कि भीषण गर्मी व तपती दौपहरी में उन्हें जरा सा भी रुकने के लिए समय नहीं मिला। बताया कि सुबह नौ बजे के लगभग हावड़ा दिल्ली रेलमार्ग के किनारे कठीली गांव के सामने आग की घटना हुई रेल विभाग के कर्मचारियों की सूचना पर फायर टैंकर पहुंच आग पर नियंत्रण कर लिया। माह भर के भीतर रेलवे लाइन के किनारे रहे झुम्टों में आग की यह तीसरी घटना थी। दूसरी घटना मेजा के गौरा में हुई, जबकि तीसरी आग की घटना मरहा।

गांव के एक जवाहर के खेत में खर पतवार में हुई। चौथी घटना खानपुर गांव के श्याम बाबू यादव के छपर में शाम चार बजे के लगभग आग लग गई। छपर से उठी आग से पास पड़ोस में खा गृहस्थी का सामान जल गया। शासन के सख्त नियंत्रण के बाद किसान खेतों में रहे खर पतवार जलाना बंद नहीं कर रहे हैं, खर पतवार में लगाई गई आग।

जब बुझने का नाम नहीं लेती तो लोग अग्निशमन विभाग को बुलाकर आग बुझा रहे हैं। लोगों के इस दुर्साहसिक कार्य से जहां पर्यावरण को गंभीर खतरा पहुंच रहा है, वहीं अग्निशमन विभाग की हैरानी बढ़ गई है।

जेल से रिहा युवक ने नीम के पेड़ पर लगाई फारंसी

नीमी, प्रयागराज। चक गरीबदास गांव में बीते मार्च माह में जेल से रिहा एक युवक ने नीम के पेड़ से कांसी लगाकर अपनी जान दे दी। जिससे परिजनों में कोहराम मचा रहा। सूचना मिलने पर पुलिस मौके पर पहुंची और जांच पड़ताल के बाद शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिए। जानकारी के मुताबिक नीमी कोतवाली क्षेत्र के चक गरीबदास गांव के रहने वाले विजय उर्फ भोले पुत्र स्वर्गीय लवकुश बीते 20 मार्च को जेल से रिहा होकर अपने धर पर आया हुआ था। मंगलवार रात भोजन आदि करने के बाद वह अपने कमरे में सोने के लिए चला गया। बुधवार सुबह जब परिजन भी कर उठे तो घर के आंगन के समीप जहां पर गाय बीती रहती है। वहां पर स्थित नीम के पेड़ पर विजय उर्फ भोले का शव कांसी के फंदे पर लटक रहा था। यह देख परिजनों में कोहराम मचा गया और लोगों की भीड़ जमा हो गई। वह अपनी बहन के दुपड़ा से कांसी लगाकर अपनी जान दे दी थी। सूचना मिलने पर पुलिस मौके पर पहुंची और शव कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिए। पुलिस के मुताबिक मृतक विजय उर्फ भोले के खिलाफ बीते 2022 में मुकदमा अपराध संख्या 742/22 धारा 379, 411 और मुकदमा अपराध संख्या 744/22 धारा 4/5 आयुध अधिनियम के तहत दोनों मुकदमों में वह जेल में बंद था। चोरी के मुकदमों में उसे सजा हो गई थी। जिसकी सजा वह पूरी कर लिया था, लेकिन जुर्माना नहीं जमा किए जाने की वजह से बीते 20 मार्च को इस शर्त पर रिहा किया गया था कि वह जुर्माने की राशि 50 हजार रुपए दो माह में जमा कर देगा। जेल से रिहा होने के बाद वह अपने घर पर पहुंचा और मजदूरी करने लगा। उसने फांसी क्यों लगाई, यह परिजन भी कुछ नहीं बता पा रहे हैं। हालांकि पुलिस मालूम की जांच पड़ताल करने में जुटी हुई है।

बाइक सवार टकराया पोल से हालत गंभीर

मेजारोड़(प्रयागराज)। रिस्तेदारी से धर लौट रहा बाइक सवार तेज गति होने के कारण अनियंत्रित होकर सड़क किनारे विद्युत पोल से जा टकराया। टक्कर इतनी जोरदार थी कि बाइक सवार बुरी तरह धायल होकर सड़क पर पड़ा रहा। जिसे घटना स्थल पर मौजूद लोगों ने आनन फानन में इलाज के लिए सीएचसी रामनगर पहुंचाया। जहां पर इलाज के दौरान धायल बाइक सवार की हालत बिंदुता देख अस्पताल के डॉक्टरों ने प्राथमिक उपचार कर आगे अस्पताल के लिए रेफर कर दिया। मिली जानकारी के अनुसार मेजा कोतवाली क्षेत्र के रामनगर गांव निवासी समरजीत भारतीया का 30 वर्षीय बेटा सुभाष उर्फ कल्लू भारतीया मंगलवार को अपनी बुआ के घर चिलबिला गांव गया हुआ था। मंगलवार रात में करीब 10 बजे लौटे समय जैसे ही बाइक सवार खदरहन का पूरा गांव के सामने पहुंचा अनियंत्रित होकर सड़क पर गिर गया। गिरते ही बाइक पिस्तलते हुए सड़क किनारे गडे विद्युत पोल से जा टकराया। जिसे घटना स्थल पर मौजूद रहे राहीरों और स्थानीय लोगों ने आनन फानन में इलाज के लिए सीएचसी रामनगर पहुंचाया।

खेत के छोटे से टुकड़े में केले की खेती कर कमा रहे मुनाफा

मेजारोड़(प्रयागराज)। यदि कुछ करने का जज्जा हो तो घर बैठे मेहनत कर आधिक रुप से मजबूत हो सकते हैं। कछु इसी तरह का कारनामा किसान सर्वेश चन्द्र पांडेय निवासी पकड़े सवार ने कर दिया है। वह आसपास के खेतीहानी के लिए सीख है। सर्वेश पांडेय ने घर के पास स्थित खेत के एक टुकड़े में कई वर्षों से केले की खेती कर मुनाफा कर रहे हैं। सर्वेश उर्फ बाबा ने बताया कि यदि मनुष्य में कुछ करने की ललक हो तो धरती पर कोई कार्य करना मुश्किल नहीं है। बताया कि पांच वर्ष पहले वह गौहनिया की एक नरसरी से महज छह सौ पौध लाए थे, इस दस विस्ता खेत में लगा दिया गया। अब इसी केलों के पौधों से कई पौधे उग आए। बताया कि देसी गाबर की सड़ी हुई खेत के अलावा रासायनिक दवाओं का प्रयोग किए बिना साताह भर में दो विट्टें लेकर निकाल लेते हैं। उसने टेक्कर के बाजार में पद्धत रखा है। सर्वेश पांडेय का केला जो भी दुकानदार एक बार ले लेता है, वह भूसावल के केले की मिठास की भूल जाता है। किसान ने बताया कि केले की खेती में बहुत अधिक मेहनत की आवश्यकता अधिक होती है। सप्ताह में दो बार पानी देते हैं। सर्वेश पांडेय का केला जो भी दुकानदार एक बार ले लेता है, वह भूसावल से नहीं आता केला। मेजारोड़(प्रयागराज)। एक दशक पहले केला महाराष्ट्र के भूसावल से आता था, लेकिन अब ऐसा नहीं है। कोशाम्बी व प्रयागराज के विभिन्न गांवों के किसान भी केले की खेती करने में माहिर हो गए हैं। क्षेत्र के विगहनी, ओनार सहित विभिन्न गांवों की दोमट बलुर्झ मिट्टी में केले की खेती बहुतायत हो रही है।

रेलवे सुरक्षा बल ने ई-रेल टिकटों का अवैध व्यापार करने वाले को गिरफ्तार किया'



व सामान्य कोटे की ई-टिकटों बनाकर रेलवे के ई-टिकटों की कालाजारी करने वाले आदित्य गुप्ता पुत्र आदेश कुमार गुप्ता, उम्र 20 वर्ष, निवासी – पेमेश्वर गेट उत्तरी रिहावा, थाना दक्षिण, जिला फिरोजाबाद, उ. प्र. को गिरफ्तार किया गया। आदित्य गुप्ता के पास से एक मॉनीटर, एक माउस, एक प्रिन्टर, एक मोबाइल, एक टिकट भविष्य की ओर 10 पिछली यात्रा की टिकटों के साथ 1500 रुपये नकद बरामद किए गए। बरामद की गई टिकटों में 776/- रुपये की भविष्य यात्रा की 1 ई-टिकट और 36,671/- रुपये की अतीत यात्रा की 10 ई-टिकट हैं।

आदित्य गुप्ता ऑनलाइन सेवा केंद्र तथा एजेंट आईजी की आड़ में पर्सनल यूजर आईजी से तत्काल, प्रीमियम तत्काल एवं सामान्य कोटे की ई-टिकटों बनाकर रेलवे करीब 5 वर्षों से ई-टिकटों का अवैध व्यापार कर रहा था। आरोपी को गिरफ्तार कर विधिक कार्यवाही की जा रही है।

अमित कुमार सिंह जनसंपर्क अधिकारी प्रयागराज मंडल, उत्तर मध्य रेलवे

साइबर सेल प्रयागराज के तकनीकी सहयोग से आदेश कम्युनिकेशन वर्कर फिरोजाबाद नामक दुकान पर डिक्यॉ चेइंग में ऑनलाइन सर्विस सेंटर एवं एक ट्राइम वर्किंग (डी-आई) ट्रूडला के सहायक उप निरीक्षक, विभिन्न पर्सनल यूजर आईजी से तत्काल, प्रीमियम तत्काल बनाकर 200 से 300 रुपये प्रति टिकट अधिक लेकर करीब 5 वर्षों से ई-टिकटों का अवैध व्यापार कर रहा था। आरोपी को गिरफ्तार कर विधिक कार्यवाही की जा रही है।

अमित कुमार सिंह जनसंपर्क अधिकारी प्रयागराज मंडल, उत्तर मध्य रेलवे

साइबर सेल प्रयागराज के तकनीकी सहयोग से आदेश कम्युनिकेशन वर्कर फिरोजाबाद नामक दुकान पर डिक्यॉ चेइंग में ऑनलाइन सर्विस सेंटर एवं 2 एजेंट आईजी की आड़ में 3 विभिन्न पर्सनल यूजर आईजी से तत्काल, प्रीमियम तत्काल बनाकर 200 से 300 रुपये प्रति टिकट अधिक लेकर करीब 5 वर्षों से ई-टिकटों का अवैध व्यापार कर रहा था। आरोपी को गिरफ्तार कर विधिक कार्यवाही की जा रही है।

अमित कुमार सिंह जनसंपर्क अधिकारी प्रयागराज मंडल, उत्तर मध्य रेलवे

साइबर सेल प्रयागराज के तकनीकी सहयोग से आदेश कम्युनिकेशन वर्कर फिरोजाबाद नामक दुकान पर डिक्यॉ चेइंग में ऑनलाइन सर्विस सेंटर एवं 2 एजेंट आईजी की आड़ में 3 विभिन्न पर्सनल यूजर आईजी से तत्काल, प्रीमियम तत्काल बनाकर 200 से 300 रुपये प्रति टिकट अधिक लेकर करीब 5 वर्षों से ई-टिकटों का अवैध व्यापार कर रहा था। आरोपी को गिरफ्तार कर विधिक कार्यवाही की जा रही है।

अमित कुमार सिंह जनसंपर्क अधिकारी प्रयागराज मंडल, उत्तर मध्य रेलवे

साइबर सेल प्रयागराज के तकनीकी सहयोग से आदेश कम्युनिकेशन वर्कर फिरोजाबाद नामक दुकान पर डिक्यॉ चेइंग में ऑनलाइन सर्विस सेंटर एवं 2 एजेंट आईजी की आड़ में 3 विभिन्न पर्सनल यूजर आईजी से तत्काल, प्रीमियम तत्काल बनाकर 200 से 300 रुपये प्रति टिकट अधिक लेकर करीब 5 वर्षों से ई-टिकटों का अवैध व्यापार कर रहा था। आरोपी को ग

सम्पादकीय

पंतजलि

आयुर्वेद को फटकार

भ्रामक विज्ञापनों की सुनवाई का दायरा बढ़ाते हुए सुप्रीम कोर्ट ने पंतजलि आयुर्वेद को कड़ी फटकार लगाई। अपनी दवाओं के लिए भ्रामक दावों को लेकर अदालत की अवमानना करने पर सुनवाई चल रही है।

अदालत ने आदेश जारी किया कि वह बड़े साइज में माफीनामे का विज्ञापन जारी करें। रामदेव के वकील मुकुल रोहतगी ने अदालत को बताया कि माफीनामा 67 अखबारों में दिया गया है। इस पर अदालत ने जानना चाहा कि क्या यह पिछले विज्ञापनों के आकार का था।

रोहतगी के इस पर केवल दस लाख रुपये खर्च करने पर कोर्ट ने नाराजगी व्यक्त की। साथ ही, यह भी कहा कि हमें पंतजलि के खिलाफ ऐसी याचिका दायर करने के लिए आईएमए पर एक हजार करोड़ रुपये का जुर्माना लगाने की मांग की गई है जिस पर अदालत ने प्रॉक्सी याचिका होने का संदेह व्यक्त किया।

केंद्र को इस पर जागना चाहिए कहते हुए देश की सबसे बड़ी अदालत ने सूचना एवं प्रसारण मंत्रालय को भी लताड़ लगाई। पंतजलि आयुर्वेद के उत्पादों और उनके चिकित्सकीय प्रभावों के विज्ञापनों से संबंधित अवमानना कार्रवाई के मामले में सुप्रीम कोर्ट ने रामदेव और बालकृष्ण को अपने समक्ष पेश होने का आदेश दिया था।

यह सुनवाई इंडियन मेडिकल एसोसिएशन की याचिका पर जारी है। पंतजलि योगपीठ को भी अब सेवा शुल्क का भुगतान करना होगा, जुर्माना और ब्याज के रूप में उसे साढ़े चार करोड़ रुपये भी अदा करने हैं। विभिन्न रिपोर्ट्स के अनुसार रामदेव की नेटवर्थ चौदह सौ करोड़ रुपये से ज्यादा की है।

पंतजलि का कुल रेवन्यू तीस हजार करोड़ रुपये से अधिक का हो चुका है। निरुपांदेह उन्होंने आयुर्वेद और योग को पुनरुत्थान करने में बड़ी भूमिका निभाई है। इसके अलावा, योग और आयुर्वेदिक चिकित्सा के प्रति आमजन में ललक पैदा करने में भी उन्होंने महती भूमिका निभाई है। मगर इसके लिए भ्रामक फैलाने या भ्रामक विज्ञापनों के जरिए जनता को बरगलाने की उन्हें छूट तो नहीं ही मिल सकती। मंत्रालय को भी इसके लिए दोषी माना जाना जरूरी है। बात यहां अकेले पंतजलि की नहीं है, बल्कि कोई भी कंपनी अपनी बिक्री बढ़ाने के लिए यदि इस तरह का भ्रम फैलाने की कोशिश करती है तो उस पर भी कड़ी से कड़ी कार्रवाई की जानी चाहिए।

साथ ही, भविष्य में भी इस तरह की हरकत करने पर भारी जुर्माना जड़ा जाना चाहिए। मरीजों और उपभोक्ताओं के अधिकारों को लेकर जिस तरह की लापरवाही अपने यहां जारी है, उसे रोकने के कड़े कदम तत्काल उठाए जाने वहद जरूरी हैं।

सामाजिक न्याय के आंदोलन से उपजे नेताओं ने कभी पिछड़े वर्ग का ध्यान नहीं रखा



लोकसभा चुनावों में विपक्ष की ओर से सविधान और आक्षण बचाने की दुहाई दी जा रही है तो सरकार का कहना है कि वह सविधान और आक्षण की सुरक्षा के लिए चांडान बन कर खड़ी रही है और अगे भी ऐसा ही करती रहेगी। देखा जाये तो इस बार के आम चुनाव में प्रचार में मुद्दे तो कई उठ रहे हैं लेकिन जनता के असल मुद्दे के परिदृश्य से याचक होते ही रहे हैं। गरीब यह देख कर खुश है कि उन्हें बहुत याद दिया जाता है लेकिन वह मध्यपुरा से लाभगा 10 कीमी दूर, जैसे ही कोई गांव में उपेक्षा के शिकार दिखते हैं। इस गांव के लोगों का कहना है कि लालू और लालू सामाजिक न्याय आंदोलन को कमज़ोर कर दिया क्योंकि दोनों नौकरी के लिए आवश्यक दोनों अपनी-अपनी जातियों को परिदृश्य दिखाते हैं। इस गांव की बात भी गांव में उपेक्षा के शिकार दिखते हैं। इस गांव की बात भी गांव में उपेक्षा के शिकार दिखते हैं। युवकों का कहना है कि बड़ी डिग्गी लेने के बावजूद चपरासी की नौकरी के लिए आवेदन किया है लेकिन एक साल से परीक्षा ही आयोजित नहीं की जा रही है। युवकों का कहना है कि बड़ी डिग्गी लेने के बावजूद चपरासी की नौकरी के लिए आवेदन किया है लेकिन एक साल से परीक्षा ही आयोजित नहीं की जा रही है। युवकों का कहना है कि परीक्षा आयोजित भी हो तो पेपर लीक हो जाता है कि महादलियों की हालत और इस गांव की हालत देख कर अंदाजा लगाया जा सकता है कि यहां की सुध लेने के लिए कोई राजनेता नहीं आता है। लोगों का कहना है कि हर घर जल और जल के लिए आवेदन किया है लेकिन एक साल से परीक्षा ही आयोजित नहीं की जा रही है। युवकों का कहना है कि परीक्षा आयोजित भी हो तो पेपर लीक हो जाता है कि महादलियों की हालत और इस गांव की हालत देख कर अंदाजा लगाया जा सकता है कि यहां की सुध लेने के लिए कोई राजनेता नहीं आता है। लोगों का कहना है कि हर घर जल और जल के लिए आवेदन किया है लेकिन एक साल से परीक्षा ही आयोजित नहीं की जा रही है। युवकों का कहना है कि परीक्षा आयोजित भी हो तो पेपर लीक हो जाता है कि महादलियों की हालत और इस गांव की हालत देख कर अंदाजा लगाया जा सकता है कि यहां की सुध लेने के लिए कोई राजनेता नहीं आता है। लोगों का कहना है कि हर घर जल और जल के लिए आवेदन किया है लेकिन एक साल से परीक्षा ही आयोजित नहीं की जा रही है। युवकों का कहना है कि परीक्षा आयोजित भी हो तो पेपर लीक हो जाता है कि महादलियों की हालत और इस गांव की हालत देख कर अंदाजा लगाया जा सकता है कि यहां की सुध लेने के लिए कोई राजनेता नहीं आता है। लोगों का कहना है कि हर घर जल और जल के लिए आवेदन किया है लेकिन एक साल से परीक्षा ही आयोजित नहीं की जा रही है। युवकों का कहना है कि परीक्षा आयोजित भी हो तो पेपर लीक हो जाता है कि महादलियों की हालत और इस गांव की हालत देख कर अंदाजा लगाया जा सकता है कि यहां की सुध लेने के लिए कोई राजनेता नहीं आता है। लोगों का कहना है कि हर घर जल और जल के लिए आवेदन किया है लेकिन एक साल से परीक्षा ही आयोजित नहीं की जा रही है। युवकों का कहना है कि परीक्षा आयोजित भी हो तो पेपर लीक हो जाता है कि महादलियों की हालत और इस गांव की हालत देख कर अंदाजा लगाया जा सकता है कि यहां की सुध लेने के लिए कोई राजनेता नहीं आता है। लोगों का कहना है कि हर घर जल और जल के लिए आवेदन किया है लेकिन एक साल से परीक्षा ही आयोजित नहीं की जा रही है। युवकों का कहना है कि परीक्षा आयोजित भी हो तो पेपर लीक हो जाता है कि महादलियों की हालत और इस गांव की हालत देख कर अंदाजा लगाया जा सकता है कि यहां की सुध लेने के लिए कोई राजनेता नहीं आता है। लोगों का कहना है कि हर घर जल और जल के लिए आवेदन किया है लेकिन एक साल से परीक्षा ही आयोजित नहीं की जा रही है। युवकों का कहना है कि परीक्षा आयोजित भी हो तो पेपर लीक हो जाता है कि महादलियों की हालत और इस गांव की हालत देख कर अंदाजा लगाया जा सकता है कि यहां की सुध लेने के लिए कोई राजनेता नहीं आता है। लोगों का कहना है कि हर घर जल और जल के लिए आवेदन किया है लेकिन एक साल से परीक्षा ही आयोजित नहीं की जा रही है। युवकों का कहना है कि परीक्षा आयोजित भी हो तो पेपर लीक हो जाता है कि महादलियों की हालत और इस गांव की हालत देख कर अंदाजा लगाया जा सकता है कि यहां की सुध लेने के लिए कोई राजनेता नहीं आता है। लोगों का कहना है कि हर घर जल और जल के लिए आवेदन किया है लेकिन एक साल से परीक्षा ही आयोजित नहीं की जा रही है। युवकों का कहना है कि परीक्षा आयोजित भी हो तो पेपर लीक हो जाता है कि महादलियों की हालत और इस गांव की हालत देख कर अंदाजा लगाया जा सकता है कि यहां की सुध लेने के लिए कोई राजनेता नहीं आता है। लोगों का कहना है कि हर घर जल और जल के लिए आवेदन किया है लेकिन एक साल से परीक्षा ही आयोजित नहीं की जा रही है। युवकों का कहना है कि परीक्षा आयोजित भी हो तो पेपर लीक हो जाता है कि महादलियों की हालत और इस गांव की हालत देख कर अंदाजा लगाया जा सकता है कि यहां की सुध लेने के लिए कोई राजनेता नहीं आता है। लोगों का कहना है कि हर घर जल और जल के लिए आवेदन किया है लेकिन एक साल से परीक्षा ही आयोजित नहीं की जा रही है। युवकों का कहना है कि परीक्षा आयोजित भी हो तो पेपर लीक हो जाता है कि महादलियों की हालत और इस गांव की हालत देख कर अंदाजा लगाया जा सकता है कि यहां की सुध लेने के लिए कोई राजनेता नहीं आता है। लोगों का कहना है कि हर घर जल और जल के लिए आवेदन किया है लेकिन एक साल से परीक्षा ही आयोजित नहीं की जा रही है। युवकों का कहना है कि परीक्षा आयोजित भी हो तो पेपर लीक हो जाता है कि महादलियों की हालत और इस गांव की हालत देख कर अंदाजा लगाया जा सकता है कि यहां की सुध लेने के लिए कोई राजनेता नहीं आता है। लोगों का कहना है कि हर घर जल और जल के लिए आवेदन किया है लेकिन एक साल से परीक्षा ही आयोजित नहीं की जा रही है। युवकों का कहना है कि परीक्षा आयोजित भी हो तो पेपर लीक हो जाता है कि महादलियों की हालत और इस गांव की हालत देख कर अंदाजा लगाया जा सकता है कि यहां की सुध लेने के लिए कोई राजनेता नहीं आता है। लोगों का कहना है कि हर घर जल और जल के लिए आवेदन किया है लेकिन एक साल से परीक्षा ही आयोजित नहीं की जा रही है। युवकों का कहना है कि परीक्षा आयोजित भी हो तो पेपर लीक हो जाता है कि महादलियों की हालत और इस गांव की हालत देख कर अंदाजा लगाया जा सकता है कि यहां की सुध लेने के लिए कोई राजनेता नहीं आता है। लोगों का कहना है कि हर घर जल और जल के लिए आवेदन किया है लेकिन एक साल से परीक्षा ही आयोजित नहीं की जा रही है। युवकों का कहना है कि परीक्षा आयोजित भी हो तो पेपर लीक हो जाता है कि महादलियों की हालत और इस गांव की हालत देख कर अंदाजा लगाया जा सकता है कि यहां की सुध लेने के लिए कोई राजनेता नहीं आता है। लोगों का कहना है कि हर घर जल और जल के लिए आवेदन किया

संजय लीला भंसाली की हीरामंडी का नया गाना आजादी हुआ रिलीज आजादी के लिए लड़ती दिखीं तवायफें



संजय लीला भंसाली की बेबी सीरीज हीरामंडी द डायमंड वाजार रिलीज के नजदीक पहुंच गई है। स्ट्रीक्यू अपनी सीरीज के साथ ऑफिस को एंटरटेन करने के लिए तैयार हैं। अब तक हीरामंडी की दो गाने तिलसी बाहें और सकल बन जारी किए जा चुके हैं। अब सीरीज का तीसरा गाना आजादी भी रिलीज कर दिया गया है, जिसमें हीरामंडी की तवायफें अंग्रेजी हुक्मत के खिलाफ लड़ते हुए नजर आ रही हैं। संजय लीला भंसाली भव्य फिल्में बनाने के लिए जाने जाते हैं। देवदास से लेकर पदमावत तक, उनकी लगभग हर फिल्म में गैंड सेट और शानदार कॉस्ट्यूम्स देखो को मिले। अब डायरेक्टर हीरामंडी के साथ भी यही हैरान करने के लिए तैयार हैं। सीरीज के अपने टीजर और दो लर रिलीज से ही दर्शकों के बीच

अनुपमा परमेश्वरन की नई फिल्म को मिला दिलचस्प शीर्षक, परथा का फर्स्ट लुक पोस्टर भी जारी

साउथ की स्टार अभिनेत्री अनुपमा परमेश्वरन की नई फिल्म का नाम परथा है। अनुपमा परमेश्वरन वर्तमान में टिलू स्क्वायर की शानदार सफलता के बाद अपने करियर की कलाइयों का अनुभव कर रही हैं, जो बॉक्स ऑफिस पर 130 करोड़ के करीब की कमाई के साथ एक बड़ी हिट के रूप में लिखी गई है। इस सफलता ने उन्हें फिर से सुर्खियों में लाया है, जिससे वह इंडस्ट्री में सबसे अधिक मांग वाली अभिनेत्रियों में से एक बन गई है। उन्होंने जिन परियोजनाओं पर हस्ताक्षर किए हैं उनमें से एक निर्देशक प्रवीण कंडेगुला के साथ है, जो नेटपिलक द्वारा निर्मित प्रशंसित ग्रामीण नाटक सिनेमा बैंडी में अपने काम के लिए जाने जाते हैं। उनका सहयोग एक ग्रामीण मनोरंजन होगा, जो ग्रामीण आकर्षण और आकर्षक कहाने के मिश्रण होगा। फिल्म को लेकर उत्साह चरम पर है, हाल ही में घोषणा की गई है कि इसका नाम परथा रखा गया है। कॉन्सेप्ट वीडियो और शीर्षक में न जावान डिजिटीली देवी को दिखाने के साथ जिजासा के स्तर को बढ़ा दिया और आधारित मंत्रों की पृष्ठभूमि में अनुपमा का लुक सामने आया है। परथा शीर्षक टेगलाइन इन दोनों दर्शकों के साथ आता है और इसमें दर्शन राजेंद्रन, संगीता प्रमुख भूमिकाओं में हैं। परथा का निर्माण विजय डोनकाडा, श्रीनिवासुली पीवी और श्रीधर मक्कुवा द्वारा किया जाएगा, जो यह सुनिश्चित करने के लिए सांसाधन जुटाते हैं कि फिल्म एक अच्छे बजट पर बने। इस तरह के मजबूत समर्थन और अनुपमा की स्टार पावर के साथ, परथा एक देखने लायक फिल्म बनने के लिए तैयार है, जो दर्शकों को पसंद आने वाला मनोरंजन प्रदान करने का बादा करती है।

शैतानी रसमें में डांस सीक्वेंस के जरिए पूरा किया अपना पैशन नकियाह हाजी

शो शैतानी रसमें में निको की भूमिका निभाने वाली एक्ट्रेस नकियाह हाजी ने अपकमिंग एपिसोड



के लिए स्पेशल डांस सीक्वेंस की कोरियोग्राफी में हिस्सा लिया आने वाले एपिसोड में नकियाह, सुरभि शुक्ला द्वारा अग्रिमत और क्रचा रोनी द्वारा अभिनीत रासा, श्रीनिता डे द्वारा अभिनीत छाया दयान का मुकाबला करने के लिए एक मिशन पर निकलती है। सीक्वेंस पर बात करते हुए, नकियाह ने कहा, डांस मेरा हमेशा से सबसे बड़ा पैशन रहा है। मैं खासतारौर से इस स्पेशल सीक्वेंस की शूटिंग को लेकर रोमांचित हूं, जहां निको के किरदार में, मैं छाया दयान का ध्यान भटकाने के लिए डांस करती हूं। इस बीच, मेरे किरदार की सास क्रचा सोनी और ननद सुरभि शुक्ला, छाया दयान के छिपे हुए अंतीत को उजागर करने और उसे हराने के लिए जुटा जाती हैं। उन्होंने कहा, मेरे विजी शूटिंग शोल्चूल और डांस के प्रति अपने प्यार के साथ टाइम मैनेजमेंट करना हमेशा चुनौतीपूर्ण रहा है। हालांकि, अपकमिंग एपिसोड में छाया बल्कि डांस को लाभ उठाते हुए, मैंने न कैबल अपने पैशन को पूरा किया बल्कि डांस को तैयार करने के लिए कोरियोग्राफर के साथ अपने इन्युट शेयर करने का भी मौका मिला। निकिया हाजी इस सीक्वेंस को लेकर रोमांचित हैं, क्योंकि इससे उन्हें अपने पैशन के साथ किरदार के लिए जुड़ने का मौका मिला। उन्होंने कहा, यह एक अविश्वसनीय रूप से आनंददायक अनुभव था, और रिहर्सल से लेकर कैमरे के सामने परफॉर्म करने तक मुझे बारतव में खुशी महसूस हुई। मुझे उमीद है कि मुझे डांस करने के अधिक अवसर मिलेंगे और मुझे विश्वास है कि दर्शक मेरे एक्सप्रेशन के जरिए मेरी खुशी को महसूस करेंगे। मुझे यहीं है कि हमारे दर्शक इसके हर पल का आनंद लेंगे। शैतानी रसमें स्टार भारत पर सोमवार से शनिवार रात 10 बजे प्रसारित होता है।

बावस आफिस पर आयुष शर्मा की रुसलान की हालत खासता, तीन दिन में 3 करोड़ भी नहीं कमाई पाई रुसलान

चाया बटोर रहा है। हीरामंडी का गाना आजादी देश के गुमानाम नायकों और आजादी की लड़ाई में लड़ान काको हो— हल्ले के बाद सिमाघरों में रिलीज हुई थी। हालांकि इस एक्ट्रेस के फिल्म लड़ाकों को लड़ान देने वाले फ्रीडम काफाइट्स को सामानित करने के लिए बनाया गया है। सीरीज के इस गाने में सोनाक्षी सिन्हा, अदिति राव हैंदरी, मनीषा कोइराला, शर्मिं सहगल और संजीदा शोख अंग्रेजों के खिलाफ जंग में शामिल होते हुए नजर आ रही हैं।

सलमान खान के जीजा आयुष शर्मा की लेटेस्ट फिल्म रुसलान काको हो— हल्ले के बाद सिमाघरों में रिलीज हुई थी। हालांकि इस एक्ट्रेस के फिल्म लड़ाकों को लड़ान देने वाले फ्रीडम काफाइट्स को सामानित करने के लिए बनाया गया है। सीरीज के इस गाने में सोनाक्षी सिन्हा, अदिति राव हैंदरी, मनीषा कोइराला, शर्मिं सहगल और संजीदा शोख अंग्रेजों के खिलाफ जंग में शामिल होते हुए नजर आ रही हैं।

सलमान खान के जीजा आयुष शर्मा की लेटेस्ट फिल्म रुसलान काको हो— हल्ले के बाद सिमाघरों में रिलीज हुई थी। हालांकि इस एक्ट्रेस के फिल्म लड़ाकों को लड़ान देने वाले फ्रीडम काफाइट्स को सामानित करने के लिए बनाया गया है। सीरीज के इस गाने में सोनाक्षी सिन्हा, अदिति राव हैंदरी, मनीषा कोइराला, शर्मिं सहगल और संजीदा शोख अंग्रेजों के खिलाफ जंग में शामिल होते हुए नजर आ रही हैं।

इसके बाद आयुष के करियर की तीसरी फिल्म रुसलान हाल ही में रिलीज हुई है। इस फिल्म के लिए आयुष ने अपने लुक पर काफी मेहनत भी की थी। हालांकि इस एक्ट्रेस के फिल्म लड़ाकों को लड़ान देने वाले फ्रीडम काफाइट्स को सामानित करने के लिए बनाया गया है। सीरीज के इस गाने में सोनाक्षी सिन्हा, अदिति राव हैंदरी, मनीषा कोइराला, शर्मिं सहगल और संजीदा शोख अंग्रेजों के खिलाफ जंग में शामिल होते हुए नजर आ रही हैं।

इसके बाद आयुष के करियर की तीसरी फिल्म रुसलान हाल ही में रिलीज हुई है। इस फिल्म के लिए आयुष ने अपने लुक पर काफी मेहनत भी की थी। हालांकि इस एक्ट्रेस के फिल्म लड़ाकों को लड़ान देने वाले फ्रीडम काफाइट्स को सामानित करने के लिए बनाया गया है। सीरीज के इस गाने में सोनाक्षी सिन्हा, अदिति राव हैंदरी, मनीषा कोइराला, शर्मिं सहगल और संजीदा शोख अंग्रेजों के खिलाफ जंग में शामिल होते हुए नजर आ रही हैं।

इसके बाद आयुष के करियर की तीसरी फिल्म रुसलान हाल ही में रिलीज हुई है। इस फिल्म के लिए आयुष ने अपने लुक पर काफी मेहनत भी की थी। हालांकि इस एक्ट्रेस के फिल्म लड़ाकों को लड़ान देने वाले फ्रीडम काफाइट्स को सामानित करने के लिए बनाया गया है। सीरीज के इस गाने में सोनाक्षी सिन्हा, अदिति राव हैंदरी, मनीषा कोइराला, शर्मिं सहगल और संजीदा शोख अंग्रेजों के खिलाफ जंग में शामिल होते हुए नजर आ रही हैं।

इसके बाद आयुष के करियर की तीसरी फिल्म रुसलान हाल ही में रिलीज हुई है। इस फिल्म के लिए आयुष ने अपने लुक पर काफी मेहनत भी की थी। हालांकि इस एक्ट्रेस के फिल्म लड़ाकों को लड़ान देने वाले फ्रीडम काफाइट्स को सामानित करने के लिए बनाया गया है। सीरीज के इस गाने में सोनाक्षी सिन्हा, अदिति राव हैंदरी, मनीषा कोइराला, शर्मिं सहगल और संजीदा शोख अंग्रेजों के खिलाफ जंग में शामिल होते हुए नजर आ रही हैं।



की रपतार देखते हुए इसके बाद आयुष के करियर की तीसरी फिल्म रुसलान हाल ही में रिलीज हुई है। इस फिल्म के लिए आयुष ने अपने लुक पर काफी मेहनत भी की थी। हालांकि इस एक्ट्रेस के फिल्म लड़ाकों को लड़ान देने वाले फ्रीडम काफाइट्स को सामानित करने के लिए बनाया गया है। सीरीज के इस गाने में सोनाक्षी सिन्हा, अदिति राव हैंदरी, मनीषा कोइराला, शर्मिं सहगल और संजीदा शोख अंग्रेजों के खिलाफ जंग में शामिल होते हुए नजर आ रही हैं।

की रपतार देखते हुए इसके बाद आयुष के करियर की तीसरी फिल्म रुसलान हाल ही में रिलीज हुई है। इस फिल्म के लिए आयुष ने अपने लुक पर काफी मेहनत भी की थी। हालांकि इस एक्ट्रेस के फिल्म लड़ाकों को लड़ान देने वाले फ्रीडम काफाइट्स को सामानित करने के लिए बनाया गया है। सीरीज के इस गाने में सोनाक्षी सिन्हा, अदिति राव हैंदरी, मनीषा कोइराला, शर्मिं सहगल और संजीदा शोख अंग्रेजों के खिलाफ जंग में शामिल होते हुए नजर आ रही हैं।

की रपतार देखते हुए इसके बाद आयुष के करियर की ती

